सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in   www.facebook.com/4pmnewsnetwork   @Editor_Sanjay   YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 328 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 9 जनवरी, 2024

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो।
-एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

बीजेपी की महिला विरोधी नीतियों... 7 | उत्तर-दक्षिण को एक करने की... 3 | कुछ लोगों के ट्वीट हम पढ़ते ही... 2

सीट बंटवारे की चर्चा के बीच ईडी की छापेमारी से सियासी भूचाल

महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी व एनसीपी से जुड़े लोगों के यहां रेड, विपक्ष ने मोदी व बीजेपी सरकार को घेरा, जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू के परिजनों पर चार्जशीट, महाविकास अघाड़ी की बैठक, इंडिया गठबंधन करेगी हर मुद्दे पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे की चर्चा के बीच ईडी की छापेमारी के बाद देश का सियासी पारा चढ़ गया है। महाराष्ट्र में जहां शिवसेना (यूबीटी) विधायक रवींद्र वायकर और उनसे जुड़ी कई संस्थाओं के परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी की गई वहीं बिहार में जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी ने लालू परिवार से जुड़े सात लोगों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। इस कार्रवाई के बाद से विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार व बीजेपी आ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में ईडी हमले के बाइ ईडी के शीर्ष अधिकारी पूरे मामले की जांच करने के लिए कोलकाता पहुंच गए हैं।

टीमएसी ने इस पर आपत्ति करते हुए कहा कि बीजपी इस मामले में राजनीति कर रही केवल ममता बर्नी की छवि खराब कर रही है। बंगाल में होगा अब बड़ा एक्शन, कोलकाता पहुंचे ईडी डायरेक्टर कोलकाता। पिछले दिनों बंगाल के उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले की घटना के बाद केंद्रीय एजेंसी के निदेशक राहुल नवीन कोलकाता पहुंचे हैं। राहुल आज अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बता दें कि राशन घोटाले में फरार तृणमूल नेता शाहजहां शेख को ढूंढने के लिए नया फैसला हो सकता है। बता दें कि राशन घोटाले में फरार तृणमूल नेता शाहजहां शेख को ढूंढने के लिए नया फैसला हो सकता है।

शिवसेना-यूबीटी विधायक के परिसरों पर छापा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शहर के जोगेश्वरी इलाके में एक होटल के निर्माण में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में शिवसेना (यूबीटी) विधायक रवींद्र वायकर और उनसे जुड़ी कई संस्थाओं के परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी.। ईडी ने शरद पवार के पोते रोहित पवार के स्वामित्व वाली कंपनी पर मारा छापा। सूत्रों ने बताया कि जिन स्थानों पर तलाशी ली जा रही है, उनमें वायकर और उनके कुछ साझेदारों तथा अन्य के परिसर शामिल हैं। वायकर (64) उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट से विधायक हैं और महाराष्ट्र विधानसभा में जोगेश्वरी पूर्व निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं.। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से विधायक के खिलाफ बगीचे के लिए आरक्षित भूखंड पर पांच सितारा होटल के निर्माण के लिए गलत तरीके से मंजूरी लेने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। ईडी का धन शोधन मामला इसी से संबद्ध है. आरोप है कि इससे बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को भारी नुकसान हुआ।

ईडी की चार्ज में राबड़ी और मीसा भारती का भी नाम

राबड़ी और मीसा भारती का भी नाम

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में आरोप पत्र दायर किया। आरोपपत्र में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, मीसा भारती, हिमा यादव, हृदयानंद चौधरी और अमित कात्याल के नाम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आरोपपत्र में दो फर्मों को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। अदालत के निर्देश के अनुसार, ईडी को मंगलवार तक ही आरोपपत्र और दस्तावेजों की एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति (ई-कॉपी) दाखिल करनी है और मामले पर 16 जनवरी को संज्ञान लिया जाना है। अमित कात्याल कथित तौर पर राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख से जुड़े हैं। लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव को नौकरी के बदले जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में जांच एजेंसी ने हिरासत में लिया था। कथित घोटाले की उत्पत्ति उस समय से होती है जब लालू प्रसाद यूपीए-1 कैबिनेट में केंद्रीय रेल मंत्री थे। आरोप से पता चलता है कि 2004 और 2009 के बीच, लालू प्रसाद के परिवार और सहयोगियों को प्रदान की गई भूमि के बदले में विभिन्न भारतीय रेलवे क्षेत्रों में ग्रुप-डी पदों पर कई उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दायर एक प्रारंभिक शिकायत के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत एक मामला शुरू किया।

प.बंगाल में ईडी टीम पर हमले की सुनवाई 11 को

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में संदेशखली और बनगांव में पांच जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले की घटना के सिलसिले में एक जनहित याचिका दायर करने के लिए अनुमति दे दी। मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंड पीठ ने कहा किविषय को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए लिया जाएगा। अधिवक्ता सुष्मिता साहा दत्ता ने विषय का अदालत के समक्ष उल्लेख कर जनहित याचिका दायर करने और तत्काल सुनवाई करने की अनुमति मांगी। पीठ में न्यायमूर्ति उदय कुमार भी शामिल हैं। पीठ ने दत्ता से याचिका दायर करने को कहा। साथ ही, विरोधी पक्षों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। दत्ता ने कहा कि याचिका उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री में दायर की गई है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता ने ईडी अधिकारियों पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी शाहजहां शेख की गिरफ्तारी की मांग की है। याचिकाकर्ता राज्य में कथित राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में संदेशखली में शेख के आवास पर छापा मारने गए ईडी अधिकारियों पर भीड़ के हमले की एनआईए से जांच कराने की भी मांग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसी दिन कुछ घंटों के बाद बनगांव में ईडी की एक अन्य टीम पर भी हमला किया गया, जब वह इसी मामले के सिलसिले में शंकर आध्या के घर छापा मारने गई थी।

सीट बंटवारे को लेकर पार्टियों के बीच कोई भी विवाद नहीं : राउत

लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में सीट बंटावारे को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मीडिया को यह स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर पार्टियों के बीच कोई भी विवाद नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, आज हमने सीट बंटवारे पर बात करने के लिए एक बैठक बुलाई है। इस बैठक के लिए कांग्रेस, शिवसेना और राकांपा को बुलाया गया है। भले ही 2-3 सीटों का अंतर हो, लेकिन हम इसपर चर्चा जरूर करेंगे। लोकसभा चुनाव के लिए बिगुल बज चुका है और इंडिया गठबंधन ने भी सीट बंटवारे पर काम करना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र को लेकर इंडिया गठबंधन ने रणनीति बनाई है और सीट बंटवारे को लेकर संभावित फॉर्मूला तय कर लिया गया है। कौन सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं. कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार गुट) और वंचित बहुजन अघाड़ी, वो चार पार्टियां हैं, जो इंडिया गठबंधन की तरफ से चुनावी मैदान में होंगी. महाराष्ट्र में सीट बंटवारे के संभावित फॉर्मूले के तहत कांग्रेस 20 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है।

बंगाल पुलिस की भूमिका पर एजेंसी ने उठाये सवाल

केंद्रीय एजेंसी बयान जारी कर पुलिस की भूमिका की कड़ी आलोचना की है। एजेंसी ने कहा कि राज्य पुलिस ने संदेशखाली में हुई घटना में केवल जमानती और गैर-अनुसूचित अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की है तथा उसे शिकायत की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई है। ईडी ने कहा कि बनगांव में टीएमसी नेता शंकर आद्या के घर छापेमारी के बारे में पुलिस अधीक्षक को सूचित करने के बाद भी अधिकारियों को कोई सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई। भीड़ ने एजेंसी के वाहनों पर पथराव किए।

कुछ लोगों के ट्वीट हम पढ़ते ही नहीं : अखिलेश

केंद्र से बुलडोजर लेकर गिरवा दें फ्लाईओवर

» मायावती के बयान पर सपा मुखिया का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बसपा सुप्रीमो मायावती के आरोपों पर पलटवार किया है। शनिवार को अखिलेश ने एक बयान दिया था जिसके बाद बसपा सुप्रीमो भड़की हुई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व सीएम मायावती के आरोपों पर पलटवार किया है। मायावती द्वारा सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए गए पोस्ट्स के संदर्भ में जब अखिलेश से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के ट्वीट हम पढ़ते ही नहीं हैं।

दीगर है कि रविवार और सोमवार, लगातार दो दिनों से बसपा चीफ, सपा प्रमुख पर भड़की हुई हैं। सोमवार को तो उन्होंने यहां तक कह दिया कि सपा कार्यकाल में बनाए गए एक पुल की वजह से यूपी स्टेट इकाई के दफ्तर की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। इससे पहले अखिलेश ने शनिवार को बलिया दौरे के दौरान मायावती के 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने पर गठबंधन के मजबूत होने को लेकर पूछे गए सवाल पर मायावती पर भरोसे के संकट की बात कही थी। बसपा चीफ ने लिखा – और अब सपा मुखिया जिससे भी गठबन्धन की बात करते हैं उनकी पहली शर्त बसपा से दूरी बनाए रखने की होती है, जिसे मीडिया भी खूब प्रचारित करता है। वैसे भी सपा के 2 जून 1995 सहित घिनौने कृत्यों को देखते हुए व इनकी सरकार के दौरान जिस प्रकार से अनेकों दलित-विरोधी फैसले लिये गये हैं। सपा प्रदेश मुख्यालय में महानगर व जिला अध्यक्ष की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सपा शासन में बने बसपा कार्यालय के सामने फ्लाईओवर से मायावती को खतरा है, तो उन्हें इसे बुलडोजर से गिरा देने की मांग केंद्र सरकार से करनी चाहिए। उस समय ट्रैफिक की जरूरत को देखते हुए हमने यह फ्लाईओवर बनवाया था।

भाजपा विपक्षी गठबंधन को कमजोर करने के लिए चला रही अभियान

कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे के बसपा को गठबंधन में लाने के प्रयास संबंधी सवाल पर अखिलेश ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन में कभी इस तरह की कोई बात नहीं हुई। अगर हुई होती तो उनकी जानकारी में भी होती। उन्होंने बिना नाम लिए अविनाश पांडे पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कई तरीके से विपक्षी गठबंधन को कमजोर करने के लिए अभियान चला रही है। इस तरह की बातें भाजपा की इस रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं।

भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही

अखिलेश ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। लड़ाई बाबा साहब के संविधान और बुल्डोजर के बीच है। बैठक में अधिवक्ताओं ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताने का संकल्प लिया। अधिवक्ता सभा ने अखिलेश यादव को 12 सूत्री एजेंडा भी सौंपा। इसमें चुनाव प्रक्रिया में अधिवक्ताओं की भूमिका तय करने, विधिक सलाहकार समिति बनाने, आरक्षण का लाभ न्यायिक सेवा में देने, राष्ट्रीय न्यायिक सेवा आयोग के गठन, वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा आदि देने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन भाजपा का मुकाबला करने जा रहा है।

केशव का दल और दिल बदलने का इरादा : शिवपाल

बीते कुछ दिनों से यूपी के कई सियासी दल बीएसपी पर जुबानी हमले कर रहे हैं। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस मायावती को इंडिया गठबंधन के साथ जोड़ने के लिए पूरा जोर लगाए हुए है। अब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी नेता शिवपाल यादव भी आपस में इस मुद्दे पर भिड़ गए हैं। दोनों में सोशल मीडिया की जंग शुरू हो गई है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस मुद्दे पर रविवार को प्रतिक्रिया देते सोशल मीडिया पर लिखा, कांग्रेस से बुआ हाथ न मिला लें, कहीं इसलिए तो बबुआ परेशान नहीं है। इसपर शिवपाल यादव ने मोर्चा संभाला और उन्होंने पलटवार करते हुए लिखा, सरकार आपकी स्वयं के संगठन और सरकार में तो चल नहीं रही है, इसलिए संगठन और सरकार के दायित्व से इतर नजर बहुत पैनी रख रहे हैं। कहीं भाजपाई दंगल में बाहर कर दिए जाने की वजह से दल और दिल बदलने का इरादा तो नहीं? दरअसल, बीते दिनों अखिलेश यादव बलिया के दौरे पर थे। तब उनसे मायावती के गठबंधन में आने से जुड़ा सवाल पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा, उसके बाद का भरोसा आप दिलाएंगे। बाद का भरोसा आप में से कौन दिलाएगा, अखिलेश यादव के इस बयान पर मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया देते हुए पलटवार किया था।

ईडी पर हमले की जांच करे एनआईए : दिलीप घोष

» बीजेपी ने पूछा क्यों गिरफ्तार नहीं हुए टीएमसी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाल ही में ईडी की टीम पर हमला हुआ था, जिसमें ईडी के कई अधिकारी और केंद्रीय बलों के जवान घायल हुए थे। ईडी की टीम टीएमसी नेता शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने गई थी। ईडी ने शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर दिया है। घटना को कई दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक शाहजहां शेख की गिरफ्तारी नहीं हुई है। भाजपा सांसद दिलीप घोष ने इसकी वजह बताई है।

पश्चिम मेदिनीपुर में मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद दिलीप घोष ने कहा कि यहां कई बड़े अपराधी और घोटालेबाज हैं। ईडी पर हमले की जो घटना हुई, वह बांग्लादेश सीमा के नजदीक हुई और वह इलाका काफी संवेदनशील माना जाता है। ऐसी जानकारी मिली है कि वह (शाहजहां शेख) टीएमसी नेताओं के घर छिपा हुआ है लेकिन उस इलाके में कार्रवाई करना काफी मुश्किल है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि ईडी की टीम पर हमला अवैध रोहिंग्या घुसपैठियों ने किया था। भाजपा ने इसकी जांच एनआईए से कराने की मांग की है। पश्चिम बंगाल के राशन घोटाला मामले में ईडी ने बीते शुक्रवार को टीएमसी नेता शाहजहां शेख और शंकर आद्या के ठिकानों पर छापेमारी की थी। शाहजहां शेख के ठिकानों पर छापेमारी करने वाली ईडी टीम पर टीएमसी नेता के समर्थकों ने हमला कर दिया था। इस हमले में ईडी के कई अधिकारी घायल हुए थे। हमला करने वाली भीड़ ईडी अधिकारियों के फोन, लैपटॉप और नकदी भी छीनकर ले गई थी। बाद में शंकर आद्या को ईडी ने राशन घोटाले में गिरफ्तार कर लिया था। वहीं शाहजहां शेख अभी तक फरार हैं। ईडी ने रविवार को शाहजहां शेख के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया है।

हमारे दिल में बसते हैं श्रीराम : अविनाश

» बोले- अघोषित आपातकाल से छुटकारा पाना है तो बीजेपी को हराना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे लेकर तैयारिया जोरों शोरों से की जा रही हैं। वहीं अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भगवान राम या कृष्ण के नाम पर लोगों की आस्था से खिलवाड़ नहीं किया। पांडे ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को वह निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या जाएंगे लेकिन उनकी इस यात्रा का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं निकला जाना चाहिए और वह अपनी व्यक्तिगत आस्था के कारण वहां जा रहे हैं।

किसी का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि चाहे भगवान राम हों या भगवान कृष्ण, कांग्रेस ने कभी भी लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं किया है और ऐसा कभी नहीं करेगी। प्रभु श्री राम हमारे दिल में बसते हैं और हर दिन मैं उनके सामने दो बार सिर झुकाता हू। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राय ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अयोध्या के कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि15 जनवरी को मैं अयोध्या जा रहा हूं। हमारे महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और पीएल पुनिया भी अयोध्या जाएंगे। कुल मिलाकर, लगभग 100 कांग्रेस नेता अयोध्या जाएंगे। आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बसपा के साथ कोई बातचीत के सवाल पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय समिति इस पर काम कर रही है। बसपा के साथ उनकी क्या चर्चा हुई है मुझे पता नहीं है।

कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी में डुबकी लगाएंगे : राय

उत्तर प्रदेश इकाई मकर संक्रांति पर यात्रा करके जनता को कोई संदेश देना चाहती है इस सवाल पर अजय राय ने कहा कि हम अपनी धार्मिक भावनाओं के कारण जा रहे हैं. प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद यह मेरी पहली अयोध्या यात्रा है, पहले मैं कई बार अयोध्या जा चुका हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या पहुंचकर सरयू नदी में डुबकी लगाएंगे, राम मंदिर के दर्शन करेंगे और अयोध्या में हनुमानगढ़ी के भी दर्शन करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस नेता अयोध्या से लौटने के बाद अयोध्या में खिचड़ी भोज लेंगे या लखनऊ में, राय ने कहा, यह जरूरी नहीं है कि खिचड़ी भोज ही हो।

अधीर का बयान भाजपा को फायदा पहुंचाने वाला : त्यागी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने दिल्ली में कहा कि जदयू इंडिया गठबंधन का संस्थापक सदस्य है। हम भाजपा की जो बढ़ी हुई तैयारियां हैं वह हमें चिंतित करती हैं। हम इंडिया गठबंधन के संगठनात्मक ढांचे, उम्मीदवारों के चयन और संयुक्त रैलियों (इसमें देरी) को लेकर हम चिंतित हैं। कांग्रेस को अपनी पार्टी की चिंता है, लेकिन हमें इंडिया गठबंधन की चिंता है। केसी त्यागी ने आगे कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के निर्माता हैं और यह इंडिया गठबंधन के संयोजक के पद से भी बड़ा है, हम कांग्रेस नेता के बयान से असहमत हैं।

पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन चौधरी और उनके बयान से बीजेपी को मदद मिलने वाली है।

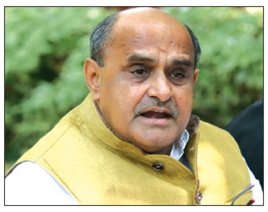

मणिपुर में जो कुछ भी हो रहा, वो पिछली केंद्र सरकार की विरासत : बीरेन सिंह

मणिपुर। उत्तर-पूर्व राज्य मणिपुर में अभी तक शांति कायम नहीं हो पाई है। लोगों के हाथों में अभी तक हथियार नजर आ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि संघर्ष का आयाम अब बदल गया है। अब लड़ाई उग्रवादियों और राज्य पुलिस के बीच हो रही है। हमलों के डर से लोग अभी भी लूटे गए हथियार थामे हुए हैं, हम उन्हें वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं. मणिपुर में शांति के लिए सीमा पर बाड़ लगाना, मुक्त आवाजाही व्यवस्था को रद्द करना जरूरी है।

उत्तर-दक्षिण को एक करने की जुगत में सियासी दल

राहुल गांधी की लोकप्रियता दक्षिण में पीएम मोदी से ज्यादा

- भाजपा व कांग्रेस दोनों की पूरी तैयारी
- जेपी नड्डा व अमित शाह ने संभाला मोर्चा
- कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में कांग्रेस की बढ़त
- भाजपा भी जमीन बनाने की कोशिश में
- आंध्र प्रदेश में बीजेपी असमंजस में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में राजनीति धीरे-धीरे लोकसभा चुनावों की तैयारियों की ओर जाने लगी है। तमिलनाडु की डीएमके, एआईडीएमके, केरल की वाम पार्टी, कांग्रेस, आंध्र, कर्नाटक व तेलंगाना की कांग्रेस,बीआरएस, बीजेपी, एआईएमआईएम सभी अपने कीलकांटे दुरुस्त करने लगे हैं। इसी के सिलसिले में नेता एक-दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं। तमिल राजनीति में कभी एक छत्र राज करने वाली जयललिता व करुणानीधि की विरासत संभाल रहे नेता इस समय अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहें है। कांग्रेस व बीजेपी जैसे राष्ट्रीय दल धीरे-धीरे प्रदेश में अपनी पैठ मजबूत कर रह हे हैं। ऐसे में चाहे पलानीस्वामी हो या स्टालिल सबकी एक ही मंशा है ये पार्टियां उनके राज्य में पैर न जमा पाएं और इतनी सीटें हासिल हो जाएं कि उन्हें आगामी चुनाव में केंद्र सरकार बनावाने में बारगेनिंग करने का पावर रहे। इसी के चलते ये सियासी दल गठबंधन करने का भी विचार कर रहे हैं।

भाजपा पहले से ही जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन में है जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है। लेकिन वह टीडीपी के साथ गठबंधन बहाल करने की इच्छुक नहीं है, जो मार्च 2018 में ही भगवा पार्टी से अलग हो गई थी और नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान एपी के साथ हुए अन्याय के बहाने एनडीए से बाहर आ गई थी। कांग्रेस अपने दम दक्षिण वैसे भी मजबूत है। पर चूकि वहां की सियासी पार्टियां इंडिया गठबंधन में शामिल हैं इसलिए फूंक-फूंक कर कदम उठा रही। 2019 के लोकसभा चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें जीतने वाली भाजपा के लिए दक्षिण बड़ी चुनौती साबित हुआ था। इसके बाद भी दक्षिण में 2019 का प्रदर्शन भाजपा का सर्वश्रेठ था। 2019 से से पहले भाजपा दक्षिण में कभी भी 25 से ज्यादा सीटें नहीं जीत सकी थी। इससे पहले दक्षिण में भाजपा को अधिकतम 22 सीटें जीतने में सफल रही थी। यह प्रदर्शन उसने 2014 में किया था। बीते कई चुनाव से चुनाव दर चुनाव पार्टी की सीटें इस इलाके में बढ़ रही हैं। 2009 में पार्टी को दक्षिण में 20 सीटें, 2004 में 18 सीटें, 1999 में 19 सीटें, 1998 में 16 सीटें मिलीं थीं। इससे पहले के चुनावों में पार्टी कभी भी दक्षिण में 10 सीटें भी नहीं जीत सकी थी। पार्टी बनने के बाद 1984 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा दक्षिण में खाता खोलने में सफल रही थी। उसे आंध्र प्रदेश में एक सीट मिली थी। इसके बाद 1989 में उसे कोई सीट नहीं मिली। 1991 में पार्टी को कर्नाटक में चार तो आंध्र प्रदेश में एक सीट पर जीत मिली थी। वहीं, 1996 में पार्टी दक्षिण की छह सीटें जीतने में सफल रही थी। ये सभी सीटें कर्नाटक की थीं। आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बात को लेकर असमंजस में है कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) से हाथ मिलाया जाए या नहीं, जिसने आगामी चुनाव के लिए प्रसिद्ध अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन किया है। राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। गुरुवार को विजयवाड़ा में राष्ट्रीय सचिव (संगठन) शिव प्रकाश की अध्यक्षता में भाजपा की केंद्रीय कोर समिति की राज्य भाजपा नेताओं के साथ बुलाई गई बैठक में चुनाव में पार्टी की रणनीति पर मिली-जुली राय थी कि क्या अकेले जाना चाहिए या टीडीपी-जनसेना गठबंधन में शामिल होना चाहिए। भाजपा पहले से ही जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन में है जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है। लेकिन वह टीडीपी के साथ गठबंधन बहाल करने की इच्छुक नहीं है, जो मार्च 2018 में ही भगवा पार्टी से अलग हो गई थी और नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान एपी के साथ हुए अन्याय के बहाने एनडीए से बाहर आ गई थी। इस साल सितंबर में पवन कल्याण ने घोषणा की थी कि उनकी पार्टी टीडीपी के साथ गठबंधन करेगी और दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने बीजेपी से अपील की कि वह सत्ता विरोधी वोटों के बंटवारे को रोकने के लिए गठबंधन में शामिल होने का फैसला ले। भाजपी-टीजीपी गठबंधन में पवन कल्याण की भूमिका अहम हो सकती है। चूँकि चुनावों का समय नजदीक आ रहा है, टीडीपी और जन सेना दोनों ने सीट-बंटवारे की बातचीत शुरू कर दी है, जिससे राज्य के भाजपा नेताओं को गठबंधन में शामिल होने या न होने पर निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। गुरुवार को जन सेना राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंडला मनोहर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी से मुलाकात की और गठबंधन पर भाजपा से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) शिव प्रकाश से भी मुलाकात की, जिन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए भाजपा कोर कमेटी की बैठक बुलाई। घटनाक्रम से जुड़े एक पार्टी नेता ने कहा कि शिव प्रकाश और अन्य कोर कमेटी के सदस्यों ने टीडीपी-जनसेना गठबंधन में शामिल होने पर राज्य के पार्टी नेताओं की राय ली। जानकारी यह है कि पार्टी नेताओं की मिली-जुली राय रही। कुछ वरिष्ठ नेताओं ने बीजेपी के टीडीपी के साथ हाथ मिलाने के विचार का पुरजोर विरोध किया, जिसने 2018 में गठबंधन धर्म को धोखा दिया था और एनडीए से बाहर चली गई थी। भाजपा नेताओं के इस वर्ग का मानना है कि पार्टी को क्षेत्रीय दलों के पीछे भागने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि वह आंध्र प्रदेश में एक स्वतंत्र ताकत के रूप में खुद को मजबूत करने और आने वाले दिनों में स्वतंत्र रूप से बढ़ने का इंतजार कर सकती है।

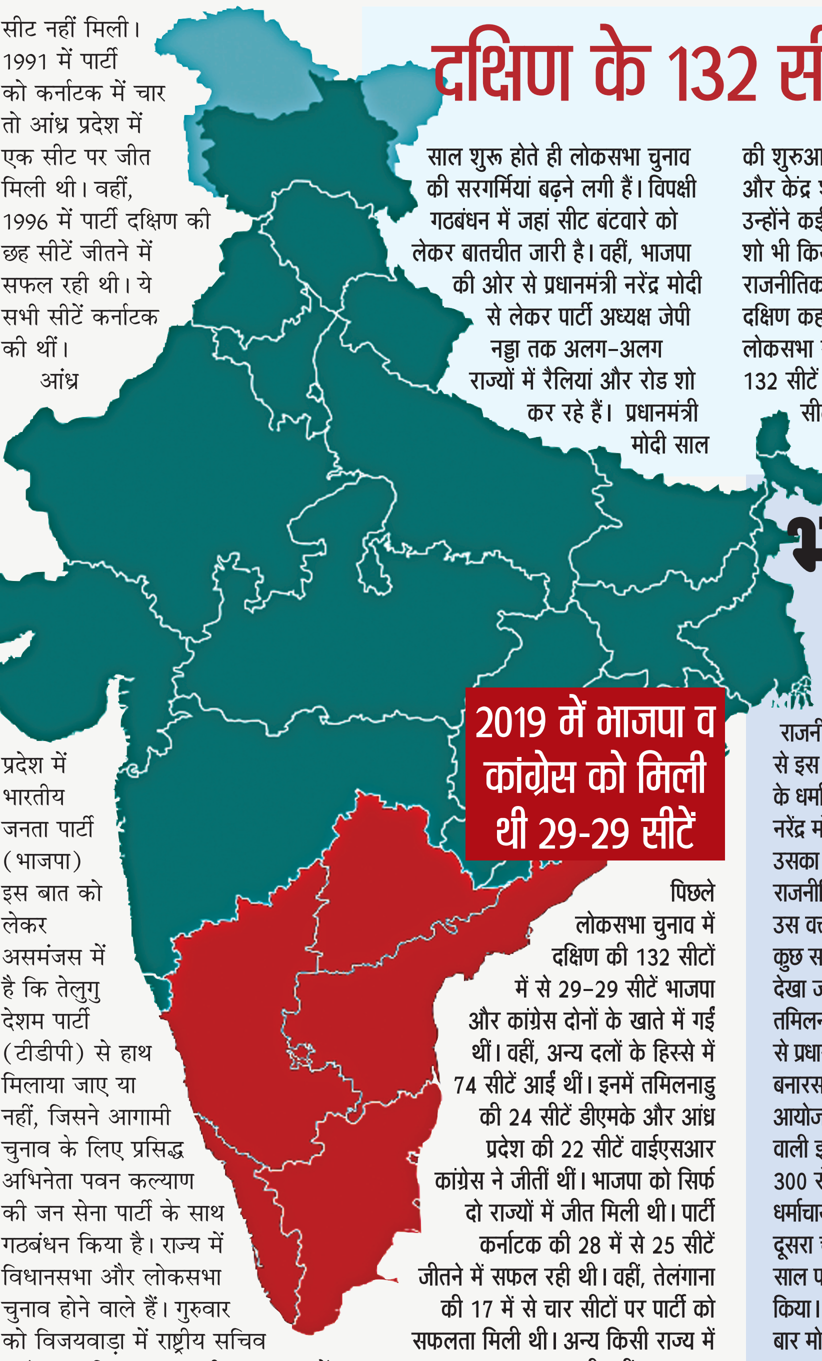

दक्षिण के 132 सीटों पर रहेगी सबकी नजर

साल शुरू होते ही लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ने लगी हैं। विपक्षी गठबंधन में जहां सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है। वहीं, भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा तक अलग-अलग राज्यों में रैलियां और रोड शो कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी साल की शुरुआत होते ही दक्षिण के राज्य केरल और केंद्र शासित लक्ष्यद्वीप पहुंचे। यहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। रोड शो भी किया साथ ही रैली भी की। कई राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा का मिशन दक्षिण कह रहे हैं। 543 सदस्यीय लोकसभा में देश के दक्षिण से 132 सीटें आती हैं। इनमें सीटों के लिहाज से तमिलनाडु सबसे बड़ा राज्य है। यहां से कुल 39 सांसद चुनकर आते हैं। कर्नाटक से 28, आंध्र प्रदेश से 25 और केरल से 20 सांसद लोकसभा पहुंचते हैं। इसी तरह तेलंगाना से 17, पुडुचेरी, लक्ष्यद्वीप और अंडमान निकोबार से एक-एक सांसद चुनकर आते हैं। इस तरह दक्षिण भारत के पांच राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 132 लोकसभा सीटें हैं।

2019 में भाजपा व कांग्रेस को मिली थी 29-29 सीटें

पिछले लोकसभा चुनाव में दक्षिण की 132 सीटों में से 29-29 सीटें भाजपा और कांग्रेस दोनों के खाते में गईं थीं। वहीं, अन्य दलों के हिस्से में 74 सीटें आईं थीं। इनमें तमिलनाडु की 24 सीटें डीएमके और आंध्र प्रदेश की 22 सीटें वाईएसआर कांग्रेस ने जीतीं थीं। भाजपा को सिर्फ दो राज्यों में जीत मिली थी। पार्टी कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीतने में सफल रही थी। वहीं, तेलंगाना की 17 में से चार सीटों पर पार्टी को सफलता मिली थी। अन्य किसी राज्य में भाजपा का खाता भी नहीं खुला था।

भाजपा-कांग्रेस दोनों की नजर वोटों पर

राजनीतिक विश्लेषकों कहा कि जिस तरह से इस राजदंड को लोकसभा में तमिल मठों के धर्माचार्यों का आशीर्वाद लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको स्थापित किया है, उसका तमिलनाडु में बड़ा प्रभाव पड़ना है। राजनीतिक विश्लेषक उमेश नारायण पंत ने उस वक्त अमर उजाला से कहा था कि बीते कुछ समय में अगर सियासत के नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु पर बहुत फोकस किया है। 2022 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने लोकसभा क्षेत्र बनारस में काशी तमिल समागम का आयोजन करा रहे हैं। एक महीने तक चलने वाली इस समागम में तमिल के 17 मठों से 300 से ज्यादा साधु संत और प्रमुख मठों के धर्माचार्य शामिल हुए। पिछले महीने इसका दूसरा चरण भी आयोजित किया गया। नए साल पर ही भाजपा ने नया चुनावी नारा जारी किया। इसमें कहा गया कि देश में तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी। इसके लिए भाजपा

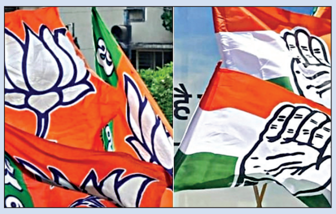

400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में दक्षिण भारत में सीटें जीतना बेहद जरूरी हो जाता है। दक्षिण की 132 सीटें हटाने के बाद देश में 411 सीटें रह जाती हैं। इनमें से 25 से ज्यादा सीटें भाजपा को अपने सहयोगियों को देनी पड़ेगी। जिनमें हरियाणा की जजपा, यूपी में अपना दल, बिहार में लोजपा जैसे उसके पुराने साथी हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी का अजित पवार गुट भी शामिल है। इस तरह अगर भाजपा को 400 पार का नारा सच करना है तो उसके लिए दक्षिण में बड़ी सफलता बहुत जरूरी होगी।

पिछले चुनाव में केरल से मिला था कांग्रेस को लाभ

वहीं, कांग्रेस को सबसे ज्यादा सफलता केरल में मिली थी। यहां की 20 में से 15 सीटों पर पार्टी जीतने में सफल रही। 39 सीटों वाले तमिलनाडु में पार्टी को आठ सीटों पर जीत मिली। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने डीएमके के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। राज्य की नौ सीटों पर चुनाव लड़ी कांग्रेस को आठ में जीत मिली। इसी तरह 24 सीटों पर चुनाव लड़ी डीएमके सभी सीटें जीतने में सफल रही थी। विपक्षी एआईएडीएमको महज एक सीट से संतोष करना पड़ा था। तेलंगाना में कांग्रेस को तीन सीटों पर जीत मिली थी। तेलंगाना में हाल ही में कांग्रेस सत्ता में आई है। इससे पहले पार्टी को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी जीत मिली थी। यहां, 2019 में उसे महज एक सीट से संतोष करना पड़ा था। इसके अलावा पार्टी पुडुचेरी और अंडमान-निकोबार में भी एक-एक सीट पर जीतने में सफल रही थी।

89 के बाद से कांग्रेस दक्षिण में पिछड़ी

बीते दस चुनावों की बात करें तो कांग्रेस का दक्षिण में सबसे बेहतर प्रदर्शन 1989 में था। जब पार्टी ने 110 सीटें इस इलाके में जीती थीं। जबकि सबसे कम 19 सीटें 2014 में मिली थीं। 2019 में पार्टी के प्रदर्शन में सुधार हुआ और उसे 29 सीटों पर कामयाबी मिली। हालांकि, 2014 से पहले के नतीजों के मुकाबले यह काफी कम था। 2004 में कांग्रेस को दक्षिण में 48 तो 2009 में 62 सीटों पर जीत मिली थी। इसी तरह कांग्रेस की 1999 में 35, 1998 में 45, 1996 में 37, 1991 में 92 और 1984 में 71 सीटें दक्षिण से आई थीं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देर से ही सही पर न्याय की होती है जीत

> दरअसल बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले और 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले के सभी ने स्वागत किया। शीर्ष अदालत ने इस महत्वपूर्ण आदेश से पीड़िता बानो के आंखो के आंसम पोंछने की कोशिश की है।

न्याय देर से ही हो पर होना चाहिए, अर्थात दोषी बचने न पाए और निर्दोष फंसने न पाए। ऐसो ही एक मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है। दरअसल बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले और 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के 11 दोषियों की सजा में छूट को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले के सभी ने स्वागत किया। शीर्ष अदालत ने इस महत्वपूर्ण आदेश से पीड़िता बानो के आंखो के आंसम पोंछने की कोशिश की है। इस फैसले के बाद सरकार को भी ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए की सरकारी मशीनरी के गलत प्रयोग से को इस प्रकार के दुष्कर्म पीड़िताओं को न्याय पाने के लिए इतने वर्षो तक भटकना पड़े। खैर यह एक चर्चा का विषय हो सकता है इंसाफ में देरी क्यों हुई पर इस बात का सुकूं भी है कि फैसले से दोषियों को सजा हुई। फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 11 दोषियों को समय से पहले रिहा करने के आदेश को निरस्त कर दिया है। 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की विशेष पीठ ने फैसला सुनाया।

याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सभी दोषियों की सजा में मिली छूट को रद्द कर दिया। गुजरात सरकार ने पिछले साल मामले में 11 दोषियों को रिहा किया था। अब कोर्ट के फैसले के बाद सभी 11 दोषियों को वापस जेल जाना होगा। पीठ ने गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए कहा कि गुजरात राज्य द्वारा शक्ति का प्रयोग सत्ता पर कब्जा और सत्ता के दुरुपयोग का एक उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 11 दोषियों को दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। साथ ही पीठ ने कहा कि यह इस अदालत का कर्तव्य है कि वह मनमाने आदेशों को जल्द से जल्द सही करे और जनता के विश्वास की नींव को बरकरार रखे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्लेटो ने कहा था कि सजा प्रतिशोध के लिए नहीं, बल्कि सुधार के लिए है। क्यूरेटिव थ्योरी के में सजा की तुलना दवा से की जाती है, अगर किसी अपराधी का इलाज संभव है, तो उसे मुक्त कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने माना कि 13 मई, 2022 का फैसला (जिसने गुजरात सरकार को दोषियों को माफ करने पर विचार करने का निर्देश दिया था) अदालत के साथ धोखाधड़ी करके और भौतिक तथ्यों को छिपाकर प्राप्त किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषियों ने साफ हाथों से अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया था। इस फैसले के बाद आम आदमी का एकबार फिर भारतीय न्याय व्यवस्था पर विश्वास प्रगाढ़ होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संकट के बावजूद नहीं बनता बड़ा मुद्दा

प्रदीप मिश्र

आए दिन शेयर बाजार में तेजी और हर महीने के अंत में जीएसटी संग्रह बढ़ने के बावजूद खुशहाली सबके हिस्से में नहीं दिखती है। खासतौर से नौकरी की चाह रखने वाले युवा वर्ग के लिए दिन गिनने मुश्किल हो रहे हैं। करीब 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश में इस समय 12 करोड़ युवा-युवतियां बतौर बेरोजगार पंजीकृत हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार अक्टूबर, 2023 में बेरोजगारी दर 29 माह के सर्वोच्च स्तर 10.05 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा 15 साल और उससे अधिक आयुवर्ग का है। यह हालात तब हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 2022 में 6.5 लाख और 2023 में 10 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने सांसदों के कामकाज की रिपोर्ट के लिए जो 13 सवाल पूछे हैं, उनमें एक सवाल रोजगार निर्माण का भी है।

वैसे, अगस्त, 2023 में संसद में बताया गया था कि भारत सरकार में स्वीकृत 40 लाख से अधिक पदों में से 9.64 लाख पद खाली हैं। यह स्थिति तब थी, जब जून, 2023 तक कर्मचारी चयन आयोग और रेलवे भर्ती बोर्ड ने एक लाख से अधिक पदों पर उपयुक्त पात्रों की संस्तुति कर दी थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हाल में विधानसभा में बताया कि उनके यहां सितंबर, 2023 तक बेरोजगारी दर 5.2 रही, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 6.6 प्रतिशत थी। कहा, इस दौरान पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर क्रमशः 8.8 और 14.5 प्रतिशत रही। उन्होंने नौ साल में 1.14 लाख नौकरियां दीं। 60 हजार और देने की तैयारी है। हरियाणा में दिसंबर तक 2.9 लाख सरकारी पद खाली थे। इसमें 70 हजार पद शिक्षा विभाग के हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का दावा है कि उन्होंने 37,683 नौकरियां दी हैं। अगले महीने में पांच हजार से अधिक भर्तियां करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश में 2018 के बाद 60,244 से अधिक सिपाहियों की भर्ती भले ही शुरू हो गई है लेकिन पिछले साल सितंबर तक शिक्षक आदि के 1.33 लाख पद रिक्त थे। उत्तराखंड में मार्च 2023 तक 68,586 पद खाली थे, जिनमें 21 हजार से अधिक रिक्तियां शिक्षा विभाग की थीं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही ढाई लाख नौकरियां देने का वादा किया, लेकिन कुछ घंटों बाद अशोक गहलोत के कार्यकाल में 50 हजार सेवा प्रेरकों की भर्ती रद्द कर दी। उधर, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 2022-23 में उत्तीर्ण स्नातकों को छह माह तक रोजगार न मिलने पर तीन हजार और डिप्लोमा धारकों को डेढ़ हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता 12 जनवरी से देने की घोषणा की है। बिहार सरकार ने सरकारी स्कूलों के 3.5 लाख संविदा शिक्षक स्थायी कर दिए हैं। इस बीच एक और रिपोर्ट बताती है कि अक्टूबर-नवंबर में ऑफिस में काम करने वालों की नियुक्तियां 12 फीसदी कम हुई हैं। इसमें आईटी-सॉफ्टवेयर, दूरसंचार और शिक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं। इनकी क्रमशः कमी 22, 18 और 17 फीसदी है। आईटी सेक्टर की नौकरियों में सर्वाधिक कमी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रतिकूल प्रभाव है। पेटीएम ने एक हजार लोगों को निकालने पर तर्क दिया कि उन्हें एआई ने अपेक्षा से ज्यादा परिणाम दिया है। वहीं इस साल भारत की स्टार्टअप कंपनियों ने 28 हजार से ज्यादा लोग बाहर कर दिए और नई भर्ती नहीं की। यही नहीं, बीते दो वर्ष में दुनिया की प्रमुख टेक कंपनियां 4.25 लाख कर्मचारियों की छंटनी कर चुकी हैं। भारत में यह आंकड़ा 36 हजार कर्मचारियों का है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नामी कंपनियां गूगल, मेटा (फेसबुक), अमेजन और एपल सहित दुनिया की छह बड़ी कंपनियां भारत में नई नियुक्तियों पर रोक लगाने की योजना बना रही हैं। वजह, बड़ी टेक कंपनियों में वर्तमान में 30 हजार नौकरियां ही हैं।

भारत में डेढ़ लाख लोग टेक कंपनियों में काम कर रहे हैं। इन कंपनियों में 2022 के मुकाबले 2023 में नौकरियां 90 फीसदी कम हुई हैं। एआई अपनाने में तेजी के कारण गूगल, नेटफिलिक्स और मेटा में भारत में मांग 78 प्रतिशत कम हो गई है। चिंताजनक यह भी कि बेरोजगारी के साथ एजुकेशन लोन भी बढ़ रहा है।

बीते साल एक अप्रैल से अक्टूबर तक 1,1,715 करोड़ रुपये का शिक्षा ऋण लिया गया, जो पांच साल में सबसे ज्यादा है। इसमें विदेश में शिक्षा के लिए कर्ज लेने वालों की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। यही कारण है कि भारत में अमेरिकी दूतावास ने अक्टूबर, 2022 से सितंबर, 2023 के बीच रिकॉर्ड 1.40 लाख स्टूडेंट वीजा जारी किए। बेरोजगारी के आंकड़ों में विरोधाभास का कारण है। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गेनाइजेशन (एनएसएसओ) आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े जारी करती है।

खतरे में है तेल कीमतों की स्थिरता

सुषमा रामचंद्रन

पिछले साल जो भू-राजनीतिक तनाव बना रहा वह अब नए साल में भी उभर आया है। लाल सागर में यमनी हुती लड़ाकों के व्यापारिक जहाजों पर हमले जारी हैं, भले ही अमेरिकी नौसेना ने उनके कुछ ड्रोन्स मार गिराए हैं। इस इलाके में लड़ाई छिड़ने का जो असर होगा, उसका आघात बृहद वैश्विक अर्थव्यस्वस्था को अवश्यंभावी है। इसका प्रभाव भारत की आर्थिकी की पुनर्स्थापना पर भी रहेगा, जो कि पिछले दो सालों से बाहरी थपेड़ों से किसी तरह खुद को बचाए रखकर, विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। यदि तनाव आगे बढ़ता है और स्वेज नहर से होकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों की आवाजाही में विघ्न जारी रहा तो इससे यूरोप और एशिया के मध्य माल ढुलाई का भाड़ा बढ़ जाएगा। अधिकांश जहाजरानी ने पहले ही केप-ऑफ-होप से होकर, लंबा किंतु महंगा पड़ने वाला रास्ता चुनना शुरू कर दिया है। इससे दो महाद्वीपों के बीच जलीय दूरी में लगभग 6000 नॉटिक्ल माइल्स जुड़ जाते हैं।

यूरोप-एशिया व्यापार का लगभग 42 फीसदी भाग स्वेज नहर से होकर है और एशिया की तरफ से आने पर, इस नहर तक पहुंचने के लिए, लाल सागर से गुजरना लाजिमी है। लाल सागर के प्रवेश मुहाने पर, उन्हें यमन और एरीट्रिया के बीच की बाब-अल-मंदेब खाड़ी से होकर गुजरना पड़ता है। यही वह जलीय क्षेत्र है, जहां पर यमन के अधिकांश भूभाग पर नियंत्रण रखने वाले हूती लड़ाके जहाजरानी को निशाना बना रहे हैं, किश्तियों से या फिर ड्रोन्स के जरिए। हमास की मदद के इरादे से, हुती हरेक उस जहाज को निशाना बने रहे हैं, जिसका संबंध इस्राइल से हो। गौरतलब है कि रूस और चीन से संबंधित जलपोतों को बख्शा जा रहा है। लेकिन भारतीय-ध्वज लगे जहाज या फिर भारत से या भारत तक मालवाहक भी खतरे की जद में हैं, जैसा कि हालिया ड्रोन हमले ने दर्शाया है।

अमेरिका ने तमाम देशों को गोलबंद करते हुए ऑपरेशन प्रोसेपैरिटी गार्डियन नामक प्रतिरोधक मोर्चा बनाया, जिसका मकसद स्वेज नहर से होकर जलपरिवहन को सुरक्षा देना था। इससे उत्साहित होकर डेनमार्क की नामी मेयर्स्क नामक जहाजरानी कंपनी ने आवाजाही शुरू कर भी दी, लेकिन नवीनतम हमलों ने इस जलीय मार्ग का इस्तेमाल फिर से बंद करवा दिया है, क्योंकि बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल को धता बताते हुए हुती हमले स्पष्ट रूप से जारी हैं। यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है तो इसका शृंखलाबद्ध प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर होकर रहेगा। पहला और फौरी असर तेल कीमतों पर होगा। वर्तमान में, बेंट क्रूड ऑयल मानक वाले कच्चे तेल का प्रति बैरल मूल्य 70-80 डॉलर है, जो कि पिछले साल सितम्बर में रहे 90 डॉलर से कहीं कम है। सुस्त पड़ती वैश्विक अर्थव्यवस्था मांग के मद्देनजर, तेल उत्पादक एवं निर्यातक संघ (ओपेक प्लस) द्वारा तेल उत्पादन में कटौती की घोषणा का वैश्विक मांग पर कुछ विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। चीन की आर्थिक पुनर्स्थापना उम्मीद के मुताबिक तेज नहीं रही, जिससे कि विश्व के सबसे बड़े इस तेल आयातक की मांग घटी। जहां एक ओर अमेरिका में मांग होने के चलते कच्चे तेल का भंडारण काफी उच्च है वहीं दूसरी तरफ यूरोज़ोन में आर्थिक मंदी का दौर जारी है।

इस परिदृश्य के आलोक में, ओपेक प्लस द्वारा 2024 में तेल उत्पादन में दस लाख बैरल प्रतिदिन की अतिरिक्त कटौती वाले निर्णय का बाजार की मांग पर प्रभाव कुछ विशेष नहीं रहा। यह इस तथ्य के बावजूद है कि उत्पादन में पिछली और नई मिलाकर कुल कटौती 22 लाख बैरल प्रतिदिन की हो गयी है। लेकिन लाल सागर में बना संकट लंबा खिंचने पर स्थिति उलट हो जाएगी और तेल कीमतों में काफी उछाल आ सकता है। नतीजतन विकसित मुल्कों तक को काफी असर पड़ेगा, जो कि पहले से रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण उच्च ऊर्जा कीमतों का दंश सह रहे हैं। लाल सागर क्षेत्र में संघर्ष लंबा खिंचने का दूसरा नकारात्मक परिणाम विश्वभर में मुद्रास्फीति दबाव में नई वृद्धि होगी। इससे न केवल तेल की कीमतें ऊपर उठेंगी वरन एशिया-यूरोप के बीच स्वेज नहर वाले रास्ते से गुरेज करने के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में विघ्न पड़ सकता है। हालांकि यूरोप और अमेरिका में पिछले साल भर बेकाबू रही मुद्रास्फीति कुछ थमने लगी थी, लेकिन नयी वृद्धि से मुल्कों के केंद्रीय बैंकों को पुनः ब्याज दर ऊंची करने को विवश होना पड़ेगा। जहां तक भारत की बात है, उद्योग एवं सरकारी प्रवक्ता ने पहले ही चावल निर्यात को खतरा होने की आशंका जताई है। लेकिन यदि लाल सागर संकट बना रहता है तो माल ढुलाई में इजाफे से अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के दामों में भी उछाल आएगा।

स्वेज नहर वाले छोटे रास्ते की बजाय अफ्रीका की परिक्रमा करके होने वाली आवाजाही से अमेरिका एवं यूरोप की मंडियों में माल पहुंचाना महंगा हो जाएगा। 2023-24 के लिए, पिछले वित्तीय वर्ष के तुलनात्मक कालखंड की तुलना में व्यापारिक निर्यात में पहले ही कमी होना महसूस हो चुका है, जो कि 455 बिलियन डॉलर के साथ रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर रहा। पिछले साल अप्रैल-नवम्बर के बीच, सकल 2022 के तुलनात्मक कालखंड में सकल निर्यात में 6.5 फीसदी की कमी दर्ज हुई। जहां बढ़ती माल ढुलाई से किन्हीं मुल्कों का निर्यात प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले महंगा हो जाएगा वहीं ऊंची होती मुद्रास्फीति के असर से मुख्य बाजार में मांग में कमी बनेगी। विशेषकर महत्वपूर्ण कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का आयात महंगा होगा।

कपालभाति प्राणायाम

संक्रमण से बचने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की जरूरत रहती है। कपालभाति प्राणायाम लॉन्ग कोविड के जोखिमों को कम करने के साथ ही इम्यूनिटी बढ़ाने में असरदार है। श्वसन पर आधारित यह आसन शरीर में ऊर्जा का संचार करता है और फेफड़े व हृदय के स्वास्थ्य में सुधार करने में काफी असरदार है। इसके अलावा कपालभाति का अभ्यास करने से शरीर में ब्लड की सप्लाई बढ़ती है और हार्ट ब्लॉकेज की समस्या में भी फायदा मिलता है। ब्रेन सेल्स को बेहतर बनाने के लिए और मेमोरी की क्षमता बढ़ाने के लिए कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास जरूर करना चाहिए। माइग्रेन, स्टेस और डिप्रेशन की समस्या में कपालभाति के अभ्यास बहुत फायदा मिलता है। कपालभाति प्राणायाम करने से पेट में पाचन को बढ़ावा देने वाले एंजाइम बढ़ते हैं और पाचन तंत्र दुरुस्त होता है। रोजाना 3 से 5 मिनट तक इसका अभ्यास करने से कब्ज की समस्या दूर होती है।

चक्रासन

इस आसन को करते समय हथेलियों को नीचे स्पर्श करते समय जल्दबाजी न करें। चक्रासन करने के कई लाभ होते हैं। इस आसन के अभ्यास से पेट की गड़बड़ियां दूर होती हैं। साथ ही कमर पतली और लचकदार बनती है। इस आसन से बांहों की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। टांगें, घुटने चुस्त होते हैं। जांघें और पिण्डलियां भी मजबूत बनती हैं। इसके अलावा इसे करने से बांहों का ऊपरी भाग भी सशक्त होता है। पेट की चर्बी कम होती है।

मार्जरी आसन

कोरोना के जोखिम को कम करने के लिए नियमित मार्जरी आसन का अभ्यास शामिल कर सकते हैं। इस आसन से लॉन्ग कोविड की समस्या में काफी राहत मिलती है। पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग के साथ ही रीढ़ व पेट के अंगों से अतिरिक्त तनाव कम होता है। मार्जरासन, एक ऐसा योग आसन है जो कंधे के दर्द, बदन में ऐंठन की समस्या से निजात दिलाता है। इस आसन को नियमित रूप से अभ्यास करने पर गर्दन, कंधे और पीठ में लचीलापन आता है।

संक्रमण से बचाव के लिए करें ये योगासन

कोरोना वायरस के मामले फिर बढ़ रहे हैं। इस बार मरीजों में कोविड 19 के नए सब वैरिएंट जेएन.1 के मामले देखे जा रहे हैं। आंकड़ों की बात करें तो देश में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों ने करीब कई महीनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक हुए अध्ययनों में कोरोना के इस वेरिएंट को ओमिक्रॉन के पिछले वैरिएंट्स से मिलता-जुलता ही बताया गया है। ऐसे में अगर आप कोरोना के नए वैरिएंट से बचना चाहते हैं तो कोविड गाइडलाइन का पालन करने के साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। इसके लिए कुछ योगासन लाभकारी हैं, जो शरीर को रोगमुक्त रखने में मदद करते हैं।

शशकासन

शशक का का अर्थ होता है खरगोश। इस आसन को करते वक्त व्यक्ति की खरगोश जैसी आकृति बन जाती है इसीलिए इसे शशकासन कहते हैं। इस आसन को कई तरीके से किया जाता है। सबसे पहले वज्रासन में बैठ जाएं और फिर अपने दोनों हाथों को श्वास भरते हुए ऊपर उठा लें. कंधों को कानों से सटा हुआ महसूस करें। फिर सामने की ओर झुकते हुए दोनों हाथों को आगे समानांतर फैलाते हुए, श्वास बाहर निकालते हुए हथेलियां को भूमि पर टिका दें। फिर माथा भी भूमि पर टिका दें. कुछ समय तक इसी स्थिति में रहकर फिर से वज्रासन की स्थिति में आ जाएं। हृदय रोगियों के लिए यह आसन लाभदायक है। यह आसन पेट, कमर व कूल्हों की चर्बी कम करके आंत, यकृत, अग्न्याशय व गुर्दों को बल प्रदान करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से तनाव, क्रोध, चिड़चिड़ापन जैसे मानसिक रोग भी दूर हो जाते हैं। सुबह घुटनों को मोड़कर पैर के पंजों पर बैठना होगा। इसके बाद सांस को अंदर भरते हुए हाथों को ऊपर की ओर ले जाएं। इसके बाद धीरे-धीरे सांस को छोड़ते हुए सामने की ओर झुकते जाएं। इस दौरान आपकी गर्दन झुकी रहेगी और सिर को मैट से स्पर्श करें। इस स्थिति में कम से कम 15 से 20 सेकेंड या अपनी क्षमतानुसार बने रह सकते हैं। इसे करने के बाद आपको काफी राहत महसूस मिलेगा। एक सप्ताह के अंदर आपको इसका लाभ भी मिलने लगेगा।

बटरफ्लाई पोज

जांघों, कमर और घुटनों की बेहतर स्ट्रेचिंग के लिए इस आसन का अभ्यास कर सकते हैं। संक्रमण के कारण थकान या मांसपेशियों की सक्रियता में सुधार करने के लिए बटरफ्लाई आसन का अभ्यास लाभकारी है। सबसे पहले जमीन पर मैट बिछाकर आराम मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने दोनों पैरों को आगे की ओर फैलाएं। इसके बाद पैरों को धीरे से मोड़कर दोनों घुटनों व तलवों को एक-दूसरे से मिला लें। आप चाहें तो दंडासन अवस्था में भी बैठ सकती है। अब अपने हाथों की मदद से दोनों जांघों को जमीन से लगाएं। इसके बाद दोनों हाथों से पैरों के तलवे पकड़ें। आंखें बंद करके एकदम शांत हो जाएं। उसके बाद तितली की तरह पैरों को हिलाते हुए कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहिए। बाद में सामान्य मुद्रा में आ जाएं। इस आसन को 4-5 बार दोहराएं।

हंसना मना है

एक अविवाहित से उसके शादीसुदा मित्र ने पूछा-'आपने आज तक शादी क्यों नहीं की? उसने मुस्कराते हुए उत्तर दिया-'जाको राखे साइयां, मार सके ना कोय।

राजेश-'चुनाव में स्वस्थ अभियान कब होता है? दिलीप-'जब एक उम्मीदवार दूसरे के बारे में झूठ बोलना छोड़ दे एवं दूसरा भी पहले के बारे में सत्य कहना बंद कर दे।

विवाहित औरत पर किस तरह के भावों का प्रभाव पड़ता हैं? मनोविज्ञान के प्रोफेसर ने पूछा। विद्यार्थी-'जी, पति के स्वभाव का एवं बाजार के भाव का।

पिता-'तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। पुत्र-'वाह पिताजी, अभी तक कोई ने बकरे और घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

ज्योंतिषी (रीता से)-'अच्छा, तो तुम खुद प्रेमी का आनेवाला कल जानना चाहती हैं? रीता-'जी नहीं, उसका आनेवाला कल तो मेरे हाथ में है। तुम उसके अतीत के बारे में बताइए।

नेता-'हम इस देश के लिए अपनी जान भी दे देंगे। एक इंसान उठकर बोला-'आप महंगाई के खिलाफ क्यों नहीं लड़ते? नेताजी-'मुझे लड़ाई से बहुत ही डर लगता है।

कहानी | कौवा और कोयल

सालों पहले चांदनगर के पास एक जंगल था। वहां एक बड़ा-सा बरगद का पेड़ था, जिसपर एक कौवा और एक कोयल दोनों अपने-अपने घोंसले में रहते थे। एक रात उस जंगल में तेज आंधी चलने लगी। देखते-ही-देखते बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में जंगल का जो भी था सब बर्बाद हो गया। अगले दिन कौवे और कोयल को अपनी भूख मिटाने के लिए कुछ भी नहीं मिला। तभी कोयल ने कौवे से कहा, हम इतने प्यार से इस जंगल में रहते हैं, लेकिन अब हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। तो क्यों न जब मैं अंडा दूं, तो तुम उसे खाकर अपनी भूख मिटाना और जब तुम अंडा दोगे, तो उसे खाकर मैं अपनी भूख मिटा लूंगी? कौवे ने कोयल की बात पर सहमती जताई। संयोग से सबसे पहले कौवे ने अंडा दिया और कोयल ने उसे खाकर अपनी भूख मिटा ली। फिर कोयल ने अंडा दिया। कौवा जैसे ही कोयल का अंडा खाने लगा तो कोयल ने उसे रोक दिया। कोयल ने कहा, तुम्हारी चोंच साफ नहीं है। तुम इसे धोकर आओ। फिर अंडा खाना। भागकर कौवा नदी के किनारे गया। उसने नदी से कहा, तुम मुझे पानी दो। मैं अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। नदी बोली, ठीक है! पानी के लिए तुम एक बर्तन लेकर आओ। अब कौवा जल्दी से कुम्हार के पास पहुंचा। उसने कुम्हार से कहा, मुझे घड़ा दे दो। उसमें मैं पानी भर कर अपनी चोंच धोऊंगा और फिर कोयल का अंडा खाऊंगा। कुम्हार ने कहा, तुम मुझे मिट्टी लाकर दो, मैं तुम्हें बर्तन बनाकर दे देता हूं। यह सुनते ही कौवा, धरती मां से मिट्टी माँगने लगा। वो बोला, मां मुझे मिट्टी दे दो। उससे मैं बर्तन बनवाऊंगा और उस बर्तन में पानी भरकर अपनी चोंच साफ करूंगा। फिर अपनी भूख मिटाने के लिए कोयल का अंडा खाऊंगा। धरती मां बोली, मैं मिट्टी दे दूंगी, लेकिन तुम्हें खुरपी लानी होगी। उसी से खोदकर मिट्टी निकलेगी। दौड़ते हुए कौवा लोहार के पास पहुंचा। उसने लोहार से कहा, मुझे खुरपी दे दो। उससे मैं मिट्टी निकालकर कुम्हार को दूंगा और बर्तन लूंगा। फिर बर्तन में पानी भरूंगा और उस पानी से अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। लोहार ने गर्म-गर्म खुरपी कौवे को दे दी। जैसे ही कौवे ने उसे पकड़ा उसकी चोंच जल गई और कौवा तड़पते हुए मर गया। इस तरह चतुराई से कोयल ने अपने अंडे कौवे से बचा लिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

तुला – पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा।

वृषभ – विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है।

वृश्चिक – आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मिथुन – जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

धनु – मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा।

कर्क – भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर – सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा।

सिंह – यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुम्भ – व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या – धैर्य रखें, समय सुधरेगा। बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी।

मीन – व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

बॉलीवुड | मन की बात

पिछले 14 साल से रात में खाना नहीं खाते हैं मनोज बाजपेई

अभिनेता मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज किलर सूप को लेकर चर्चा में हैं। अभिषेक चौबे के निर्देशन में बनी इस वेब सीरीज में उनके साथ कोंकणा सेन शर्मा भी दिखाई देंगी। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने अपनी फिटनेस और हेल्थ को लेकर कई खुलासे किए। मनोज बाजपेयी अपने हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से अपना एक शर्टलेस फोटो भी साझा किया था। उस फोटो में लोग मनोज बाजपेयी के एब्स को देखकर हैरान रह गए थे। अभिनेता ने खुद अपनी फिटनेस का राज खोलते हुए बताया कि उन्होंने पिछले 14 साल से रात को खाना नहीं खाया है। मनोज बाजपेयी का मानना है, भोजन ही हमारा सबसे बड़ा मित्र और सबसे बड़ा शत्रु भी है। मैंने रात को भोजन करना बंद कर दिया है और दिन में काफी संतुलित भोजन लेता हूं। मेरी फिटनेस में इसका बहुत बड़ा योगदान है। मनोज ने आगे कहा, मैंने अपने दादा जी को हमेशा दुबला-पतला और फिट ही देखा था। मैंने सोचा क्यों न फिट रहने के लिए मैं भी वही करूं जो दादा जी करते थे। मैंने भी तय किया कि उन्हीं की तरह रात को खाना नहीं खाऊंगा और परिणाम सबके सामने है। मनोज बाजपेयी के लिए शारीरिक फिटनेस जितना जरूरी है उतना ही जरूरी मानसिक स्वास्थ्य भी है। मनोज का मानना है कि शरीर के किसी अंग का फिट होना नहीं, बल्कि समूचे शरीर का फिट रहना मायने रखता है। अभिनेता मनोज बाजपेयी की नई वेब सीरीज किलर सूप जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस सीरीज में पहली बार मनोज बाजपेयी तीन अलग-अलग किरदारों में दिखाई देने वाले हैं। अभिनेता ने खुद ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका खुलासा किया था।

रेड-2 में अजय देवगन संग रोमांस करेंगी वाणी कपूर

अजय देवगन की 2018 की फिल्म रेड दर्शकों को खूब पसंद आई थी। वहीं हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए इसके सीक्वल का एलान किया था। बताया गया था कि अजय एक बार फिर आयकर विभाग अधिकारी बन रेड मारने के लिए तैयार हैं। वहीं अब फिल्म की अभिनेत्री का भी खुलासा हो चुका है। रेड में इलियाना डिक्रूज नजर आई थीं, लेकिन इस बार वे सीक्वल में नजर नहीं आएंगी। इलियाना की जगह अभिनेत्री वाणी कपूर ने ली है। अब रेड 2 में वाणी कपूर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं।

2024 की फ्रेश जोड़ी में अब वाणी कपूर और अजय देवगन का नाम भी शामिल हो गया है। वाणी को शुद्ध देसी रोमांस, चंडीगढ़ करे आशिकी और बेफिक्रे जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अब वे अजय देवगन के साथ अपनी केमिस्ट्री के साथ बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अजय देवगन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के सेट से रवि तेजा और वाणी कपूर के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, रेड में शामिल हो रहा हूं, हमारी सबसे नई सदस्य वाणी कपूर का टीम में स्वागत है। हाल ही में अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर रेड-2 के सेट से तस्वीरें साझा कीं, जहां लोकप्रिय तेलुगु सुपरस्टार रवि तेजा ने मुहूर्त शॉट का प्रदर्शन किया।

अगले महीने सात फेरे लेंगी रश्मिका मंदाना

नेशनल क्रश कही जाने वाली रश्मिका मंदाना के लिए बीता वर्ष करियर के लिहाज से काफी खास रहा। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में उन्होंने रणबीर कपूर की पत्नी गीतांजलि के किरदार में दर्शकों का खूब दिल जीता। अब एक्ट्रेस की निजी जिंदगी से जुड़ी जानकारी सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस घर बसाने की तैयारियां कर रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना के घर शहनाई बजने वाली है! वे एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ घर बसाने की तैयारी में हैं। कहा तो ये भी जा रहा है कि रश्मिका और विजय फरवरी में सगाई कर सकते हैं। हालांकि, ,सामने आ रही खबरों को लेकर किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

काफी लंबे वक्त से रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की डेटिंग की खबरें सुर्खियों में हैं। हालांकि, दोनों ने सार्वजनिक रूप से कभी अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है। अब मीडिया

रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों अपने रिश्ते को आगे बढ़ाकर शादी के मुकाम पर ले जाना चाहते हैं। फरवरी के दूसरे सप्ताह में दोनों सगाई का एलान कर सकते हैं। सगाई और शादी की खबरों पर अभी तक रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रश्मिका और विजय ने गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड में साथ काम किया है। दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी फैंस को बेहद पसंद है। रश्मिका की फिल्म एनिमल की बात करें तो हाल ही में फिल्म की सक्सेस पार्टी रखी गई। फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ने पार्टी में शिरकत की। इस दौरान रश्मिका ब्लैक कलर की ड्रेस में खूबसूरत अंदाज में नजर आईं। एक दिसंबर 2023 को रिलीज हुई एनिमल ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक 550.47 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

अजब-गजब | इटली के सार्डीनिया के तट पर स्थित है यह आइलैंड

ये है दुनिया का सबसे छोटा साम्राज्य

जब साम्राज्यों की बात होती है, तो आपके जहन में अशोक, मौर्य वंश, गुप्त वंश, मराठा, मुगल आदि जैसे साम्राज्य आते होंगे जिनके अधीन बड़े-बड़े इलाके हुआ करते थे। पर क्या आप विश्वास करेंगे कि दुनिया में एक ऐसा भी आइलैंड है जो बेहद छोटा है मगर वो एक राजा का साम्राज्य हुआ करता था। आज भी इस राजा का परिवार यहां रहता है जो खुद को इस आइलैंड का रक्षक बताता है। हैरानी की बात ये है कि इस साम्राज्य में कोई प्रजा नहीं थी, और जो यहां का राजा था, वो अपनी दो बीवियों के साथ छुपने आया था।

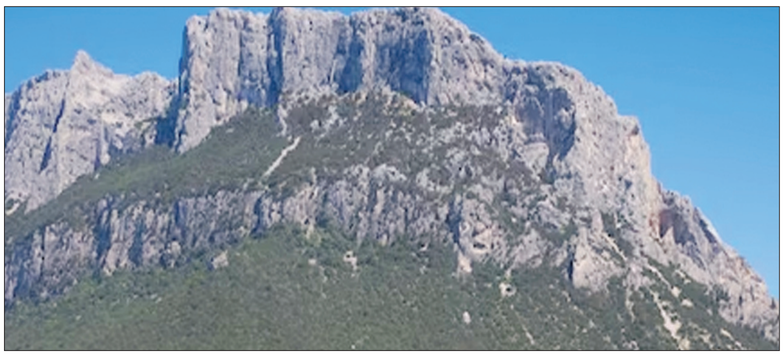

हम बात कर रहे हैं तावोलारा आइलैंड की। एक रिपोर्ट के अनुसार तावोलारा को दुनिया का सबसे छोटा किंगडम यानी साम्राज्य माना जाता है। इटली के सार्डीनिया के तट से कुछ दूर, गल्फ ऑफ ऑल्बिया में एक सुनसान सा आइलैंड है। इस आइलैंड का नाम है तावोलारा। 5 स्क्वायर किलोमीटर में फैला ये आइलैंड कभी बिल्कुल सुनसान हुआ करता था। 1807 में Giuseppe Bertoleoni नाम का आधा चरवाहा और आधा समुद्री लुटेरा यहां सबसे पहले रहने आया था। उसने दो बहनों से शादी की थी, और अपनी बहुविवाह को समाज से छुपाने के लिए यहां छुपकर रहने आया था।

जब परिवार यहां पहुंचा तो उन्हें पता चला कि इस आइलैंड पर अनोखी बकरियां रहती हैं जिनके दांत पीले रंग के होते हैं। दांत पीले होने का कारण ये था कि वो समुद्री शैवाल और लाइकेन खाते थे, उससे दांत पीले हो जाते थे। इस बात की खबर सार्डीनिया के राजा कार्लो अल्बर्टो को लग गई। 1836 में जब वो राजा यहां इस जीव का शिकार करने पहुंचा, तो उसका स्वागत जियुसेप के बेटे पाओलो ने किया। पाओलो ने उस वक्त खुद को तावोलारा के राजा के तौर पर संबोधित किया। सार्डीनिया के राजा, पाओलो के घर पर 3 दिन रहे और कई बकरियों का शिकार भी किया। जब वो वहां से जाने लगे, तो उन्होंने पाओलो से कहा कि वो वाकई उस आइलैंड का राजा है। कुछ सालों बाद जब इस परिवार को यहां से हटाने की बात हुई तब पाओलो, टूरिन गया और वहां जाकर उसने कार्लो एल्बर्टो से मुलाकात की। उसने राजा से एक स्क्रॉल, यानी राजाओं की सूची ली जिसमें पाओलो को आइलैंड का राजा माना गया था। 1900 के दौर में जब रानी विक्टोरिया, विश्व लीडर्स के फोटोग्राफ कलेक्ट कर रही थीं, तब उन्होंने अपने पर्सनल फोटोग्राफर को आइलैंड पर राजा की फोटो खींचने के लिए भेजा था। परिवार की फोटो आज भी बकिंघम पैलेस में टंगी हुई है। 1934 में बर्टोलियोनी परिवार की संप्रभुता तब खत्म हुई जब उस आइलैंड को इटली ने अपने कब्जे में कर लिया। फिर 1962 में नाटो ने आइलैंड के एक हिस्से में अपना बेस बना लिया। आज के वक्त में परिवार के पास सिर्फ 50 हेक्टेयर जमीन है। अब वो खुद को आइलैंड का राजा नहीं, बल्कि रक्षक करते हैं। आइलैंड पर दो रेस्टोरेंट हैं, और इसी परिवार के लोग इसे मैनेज करते हैं।

1899 से पाकिस्तान के पेशावर में गिरफ्तार है ये पेड़, 24 घंटे जकड़े रहती हैं लोहे की जंजीरें!

जब भी किसी कैदी को जल के अंदर या बाहर ले जाया जाता है तो उसे हथकड़ी में बांध दिया जाता है जिससे वो बचने के लिए हिंसा का रास्ता ना अपनाए। आपने फिल्मों में तो कई बार कैदियों को जेल के अंदर भी मोटी-मोटी जंजीरों में कैद हुए देखा होगा। ऐसा उन कैदियों के साथ करते हैं जो सबसे खूंखार और खतरनाक होते हैं। पर क्या आपने कभी किसी पेड़ को जंजीर में बंद हुए देखा है? पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में ऐसा ही एक पेड़ है जिसे 24 घंटे लोहे की जंजीरें जकड़े रहती हैं। हैरानी इस बात की है कि ये जंजीरें हाल ही में नहीं, बल्कि पिछले 125 सालों से इसे जकड़े हुए हैं। आखिर इस पेड़ का कसूर क्या है? चलिए आपको बताते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पेशावर में एक पेड़ है जो पिछले 125 सालों से गिरफ्तार है। दरअसल, ये पेड़ लोहे की जंजीरों से बंधा हुआ है। इसे देखकर ऐसा लग रहा है कि इसे हथकड़ी पहनाई गई है। ये पेड़ 1899 से इसी तरह अरेस्ट है। इसके पीछे का कारण है एक ब्रिटिश अधिकारी जेम्स स्क्विड, जिसने नशे की हालत में इस पेड़ को गिरफ्तार कर लिया। हुआ यूं कि तोरखान बॉर्डर के पास लंडी कोताल नाम का एक कस्बा है। यहां पर जेम्स स्क्विड पोस्टेड थे। एक दिन वो शराब के नशे में धुत होकर जब इस पेड़ के पास से गुजरे तो उन्हें लगा कि ये पेड़ उनसे दूर जा रहा है। जैसे-जैसे वो पेड़ के पास आ रहे थे, उन्हें लग रहा था कि वो चलकर उनसे दूर जाता जा रहा है। ये देखकर उन्हें गुस्सा आया और उन्होंने मेस सार्जेंट को ऑर्डर दिया कि वो इस पेड़ को गिरफ्तार कर लें और चेन में जकड़कर जमीन से बांध दें। बस फिर क्या था, ऐसा ही हुआ। तब से लेकर आज तक ये पेड़ इसी तरह चेन में जकड़ा हुआ है। आज ये पेड़ खायबर राइफल्स ऑफिसर्स मेस में मौजूद है और इसी तरह चेन से बंधा हुआ है। पेड़ के ऊपर एक बोर्ड लगा है जिसमें इसके बंधे होने की पूरी कहानी लगी है, जिसे पढ़कर आपको ऐसा लगेगा कि ये कहानी पेड़ अपनी जुबानी सुना रहा है। यूं तो पर्यटकों को ये पेड़कर देखकर हंसी आती है, पर यहां के निवासियों को लगता है कि ये पेड़ अंग्रेजों के अत्याचार की निशानी है। उनके अनुसार ये पेड़ दर्शाता है कि अगर उस वक्त कोई भी ब्रिटिश सरकार के खिलाफ जाने की कोशिश करेगा तो उसका यही हाल होगा।

तमिलनाडु में 42,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा अडानी समूह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अडानी समूह ने तमिलनाडु में नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट विनिर्माण, डेटा सेंटर, सिटी गैस वितरण में 42,768 करोड़ रुपये का निवेश करने और 10,300 रोजगार के अवसर पैदा करने का फैसला किया है। निवेशकों की बैठक में अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपीएसईजेड) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अडानी और तमिलनाडु सरकार द्वारा एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का भी आदान-प्रदान किया गया।

अडानी समूह की विभिन्न कंपनियों द्वारा निवेश का विवरण इस प्रकार है। अदानी ग्रीन 24,500 करोड़ रुपये (रोजगार 4,000), अंबुजा सीमेंट्स 3,500 करोड़ रुपये (5,000), अदानी कॉननेक्स 13,200 करोड़ रुपये (1,000) और अदानी टोटल गैस एंड सीएनजी रुपये 1,568 करोड़ (300)।

एमओयू पर हस्ताक्षर करने के मौके पर करण अडानी ने कहा, आज का तमिलनाडु स्थिरता, एक अच्छी तरह से स्थापित औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र, उन्नत बुनियादी ढांचे, कुल कनेक्टिविटी, सुरक्षित और संरक्षित पड़ोस, सक्षम और व्यापार-अनुकूल नीतियों का एक असाधारण उदाहरण है। अधिकारियों की कुशल टीम, और देश में कहीं और की तुलना में अधिक महिलाओं के साथ एक विविध और अत्यधिक कुशल कार्यबल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का जिक्र करते हुए करण अडानी ने कहा, तमिलनाडु को एक सामाजिक-आर्थिक महाशक्ति बनाने के उनके अभियान ने बढ़ती संख्या में व्यापारिक घरानों को इस राज्य में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है और अडानी समूह को उनमें से एक होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

तमिलनाडु में अडानी समूह की उपस्थिति तेजी से बढ़ रहे कई क्षेत्रों तक फैली हुई है, जिनमें बंदरगाह और रसद, खाद्य तेल, बिजली पारेषण, शहर गैस वितरण, डेटा केंद्र, हरित ऊर्जा और सीमेंट विनिर्माण शामिल हैं। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, इसकी एकीकृत बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स कंपनी है, वर्तमान में कट्टुपल्ली और एन्नोर बंदरगाहों का संचालन कर रही है और अब तक तिरुवल्लूर जिले में कुल 3,733 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

दोनों बंदरगाह सामूहिक रूप से चेन्नई और श्री सिटी क्षेत्रों के भीतरी इलाकों की आपूर्ति करते हैं और क्षेत्र की एक्जिम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

ईवीएम पर चर्चा न करना बेहद चिंताजनक : रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ईवीएम के मुद्दे पर चुनाव आयोग को जवाब देते हुए पत्र लिखा है। इस पत्र में कांग्रेस नेता ने लिखा कि 30 दिसंबर को विपक्षी गठबंधन की तरफ से चुनाव आयोग को भेजे पत्र पर आयोग ने जवाब दिया है। मैंने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट पर चर्चा और सुझाव के लिए आयोग से मिलने का वक्त मांगा था, लेकिन आयोग ने हमारी मांग को नहीं माना।

जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र को सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि हमारी मांग मानने के बजाय आयोग ने हमें चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद एफएक्यू के जवाब पढ़ने की सलाह दी। जब हमने कहा कि हमारे सवालों के जवाब इन एफएक्यू से नहीं मिल रहे हैं तो आयोग ने हमारे सवालों को ही गलत बता दिया है। इससे साफ पता चलता है कि हम क्यों ईवीएम और वीवीपैट पर दर्शकों के सामने चर्चा मांग कर रहे हैं। राजनीतिक पार्टियों के साथ ही ईवीएम और वीवीपैट को लेकर चर्चा ना करना बेहद चिंताजनक बात है।

हम लोग हिंदुस्तानी थे, हिंदुस्तानी हैं और हिंदुस्तानी रहेंगे : फारूक

» रैली में कहा- हमें आतंकियों का साथी बताने वालों ने ये नहीं बताया हमारे सैकड़ों नेताओं को भी मारा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

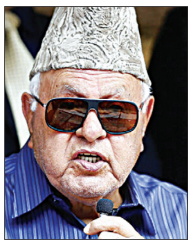

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी का गढ़ माने जाने वाले जम्मू के नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में नेशनल कांफ्रेंस ने बड़ी रैली की। सांसद डॉ फारूक अब्दुल्ला ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, इतनी ठंड और धुंध में आप लोग आए हैं, मैं जवाब देता हूं जो लोग कहते हैं कि नेशनल कांफ्रेंस कही नहीं है।

वह कहते हैं कि यह पाकिस्तानी हैं और आतंकवादियों से मिले हुए हैं, उन्होंने कभी आपको यह नहीं बताया कि हमारे 1500 मंत्री, स्पीकर, विधायक और कार्यकर्ता मारे गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह भूल जाते हैं कि जब विधानसभा पर हमला हुआ था तो फारूक अब्दल्ला कहां थे, भगवान ने मुझे बचाना था क्योंकि 5 मिनट पहले ही मुझे गवर्नर ने बुलाया था और इस हमले में 40 लोग मारे गए, हम लोग हिंदुस्तानी थे, हिंदुस्तानी हैं और हिंदुस्तानी रहेंगे, अगर हमें पाकिस्तान जाना होता तो हम 1947 में चले जाते, हमें कोई नहीं रोक सकता था।

फारूक अब्दुल्ला ने 370 को याद कर कहा कि, 370 हमने नहीं बनाया था यह महाराज जम्मू कश्मीर हरि सिंह ने बनाया था. उन्होंने यह 370 क्यों लगाया था, उस समय न हिंदुस्तान था और ना पाकिस्तान था. उन्होंने यह कानून इसलिए लगाया था ताकि लोग बाहर से आकर यहां न बसे और यहां के लोगों की जमीन और नौकरियां ना खा लें।

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» शीर्ष कोर्ट ने उपचुनाव में देरी पर चुनाव आयोग से पूछे सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश पर रोक लगा दी। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने आदेश में चुनाव आयोग को पुणे लोकसभा सीट पर तुरंत उपचुनाव कराने का निर्देश दिया था। पुणे लोकसभा सीट यहां के सांसद गिरीश बापट के निधन के कारण 29 मार्च 2023 से खाली है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। चुनाव आयोग ने अपनी याचिका में कहा कि मौजूदा लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को खत्म हो रहा है, ऐसे में अब इस समय उपचुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी लेकिन उपचुनाव में हुई देरी को लेकर भी सवाल किया।

आप-कांग्रेस मिलकर बीजेपी को देंगे कड़ी टक्कर : वासनिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) की बीते सोमवार को अहम बैठक हुई, इसके बाद कांग्रेस की अलायंस कमेटी के प्रमुख मुकुल वासनिक ने कहा कि बहुत अच्छी बैठक थी। अरविंद केजरीवाल ने अपने प्रतिनिधियों को बैठक के लिये भेजा। दो से ढाई घंटे चर्चा हुई, बड़े अच्छे माहौल में चर्चा हुई है।

दो दलों के बीच में हुई सकारात्मक बैठक

उन्होंने आगे कहा,कि ये चर्चा आगे भी चलेगी। कुछ दिनों में हम फिर मिलेंगे। जिसमें हम सीट शेयरिंग को अंतिम रूप देंगे। क्या चर्चा हुई उस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। थोड़ा इंतजार करिये, पूरी जानकारी देंगे। दोनों ही पार्टी इस गठबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बीजेपी को कड़ी टक्कर देंगे। किस-किस राज्य को लेकर चर्चा हुई इसका जवाब दोनों ही दलों के नेताओं ने नहीं दिया। पिछले दिनों सूत्रों ने बताया था कि पंजाब में कांग्रेस 6 और दिल्ली में तीन सीटों की मांग कर रही है। ऐसे में देखना होगा कि आप और कांग्रेस कितनी-कितनी सीटों पर चुनाव लड़ती है। पंजाब में सीट बंटवारे को लेकर पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में जुबानी जंग भी देखने को मिली है। ऐसे संकेत मिले हैं कि आम आदमी पाटी गुजरात, गोवा, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में भी कांग्रेस से सीटें मांग सकती है।

बीजेपी की महिला विरोधी नीतियों से पर्दा हटा : प्रियंका

बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सभी ने किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिए अपने फैसले में गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए 11 दोषियों की रिहाई रद्द कर दी। जिसके बाद दोषियों को फिर से जेल जाना होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। सीपीआई(एम) नेता बृंदा करात ने फैसले पर राहत जताते हुए कहा कि कम से कम, अभी कुछ न्याय की उम्मीद बची हुई है।

वहीं प्रियंका गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार बिलकिस बानो के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस आदेश से भारतीय जनता पार्टी की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा पर्दा हट गया है। इस आदेश के बाद जनता का न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास मजबूत होगा। बहादुरी के साथ अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए बिलकिस बानो को बधाई। अंततः न्याय की जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के दौरान गैंगरेप की शिकार #BilkisBano के आरोपियों की रिहाई रद्द कर दी है। इस आदेश से भारतीय जनता पार्टी की महिला विरोधी नीतियों पर पड़ा हुआ पर्दा हट गया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस ने गुजरात की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा की सोच अपराधियों को बचाने वाली थी ना कि पीड़िता को न्याय दिलाने की।

गृह मंत्रालय के इशारे पर हुई थी दोषियों की रिहाई : बृंदा करात

वामपंथी पार्टी सीपीआई (एम) की वरिष्ठ नेता बृंदा करात ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। कम से कम यह फैसला न्याय की कुछ उम्मीद जगाता है। खासकर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और गुजरात सरकार की क्षमताओं पर जो टिप्पणी की। यह गुजरात सरकार ही थी, जिसने दस्तावेज स्वीकार किए थे। कोर्ट ने इसे फर्जी माना है। बृंदा करात ने याचिकाकर्ता की ईमानदारी पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और गुजरात सरकार का भी उसे समर्थन प्राप्त था। गृह मंत्रालय पर निशाना साधते हुए वामपंथी नेता ने कहा कि यह गृह मंत्रालय ही था, जिसने याचिका को प्रोत्साहित किया, जिससे दोषियों की रिहाई हुई। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत होना चाहिए।

यूपी के सरकारी विभागों का शर्मनाक कारनामा

जमीन कब्जाने के लिए किया झूठा मुकदमा

» करोड़ों की गरीबों की जमीन पर कब्जा कराने में आबकारी विभाग की संलिग्धता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। यूपी में कहा तो गया था कि कोई भी अगर गरीब की जमीन कब्जायेगा उसके घर पर बुलडोजर चलेगा। पर हो रहा है इसके उलट। कहीं गरीब को झूठे मुकदमें में फंसा उसकी जमीन हड़पी जा रही है तो कहीं मंत्री का नाम भी अवैध कब्जेदारों में आ रहा है। ये दोनों मामले आगरा के हैं पहली खबर आगरा में बैनारा फैक्टरी के पास जमीन पर कब्जा कराने की साजिश में पुलिस के साथ आबकारी टीम की भूमिका भी संदिग्ध है। इसमें हुई एसआईटी जांच में आबकारी निरीक्षक त्रिभुवन सिंह, बोदला चौकी प्रभारी अनुज फोगाट सहित आठ पुलिसकर्मियों की गर्दन फंस सकती है।

दस हजार गज जमीन बैनारा फैक्टरी के पास है। इस जमीन पर ही कब्जे के लिए पूरा खेल रचा गया। 26 अगस्त 2023 को केयरटेकर दीनानाथ के बेटों रवि कुशवाह और उसके भाई शंकरलाल उर्फ शंकरिया सहित 3 को जेल भेजा गया। उनके खिलाफ गांजा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया। 9 अक्तूबर को रवि कुशवाह की पत्नी पूनम और बहन पुष्पा सहित तीन को अवैध शराब के मामले में आबकारी निरीक्षक ने आबकारी अधिनियम में केस दर्ज कराकर जेल भेजा। जमीन से कब्जा हटाकर दीवार को तोड़कर नई दीवार बनाई गई। कैमरे लगाकर प्लॉटिंग शुरू करा दी गई। मामले की शिकायत पीड़ित परिवार ने आगरा कमिश्नरेट के अधिकारियों से की। मगर, सुनवाई नहीं होने पर डीजीपी आफिस में गुहार लगाई थी।

जमीन पर अवैध कब्जे के खेल में मंत्री का नाम भी जुड़ा

आगरा में करोड़ों की जमीन पर कब्जे का खेल बिल्डर और पुलिस कर दे, ऐसा अकेले संभव नहीं है। इस पूरे गठजोड़ में माननीयों के नाम की भी खूब चर्चा हो रही है। पीड़ित परिवार ने भी एक फोटो पुलिस अधिकारियों को दिखाया, जिसमें विवादित जमीन के गेट पर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक व कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय लिखा है। दावा किया कि यह गेट पर लिखा गया था। जमीन कब्जाने के बाद इसको मिटा दिया गया। इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आगरा में खतैना-बोदला मार्ग पर करोड़ों की जमीन पर कब्जे के लिए फर्जी मुकदमे लिख एक परिवार को जेल भेजने में जगदीशपुरा पुलिस फंस गई है। पुलिस आयुक्त के आदेश पर तत्कालीन एसओ जितेंद्र कुमार, बिल्डर कमल चौधरी-उनके बेटे धीरू चौधरी और 12-15 अज्ञात के खिलाफ डकैती सहित अन्य धारा में मुकदमा दर्ज किया है। पूरे प्रकरण और मुकदमों की विवेचना के लिए डीसीपी सिटी सूरज राय की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया गया है। वहीं जमीन से हटाए गए पीड़ित परिवार को फिर से कब्जा दिलाया गया है।

जमीन के मालिक से अनुमति लेकर कार्यालय खोला : मंत्री

उधर, इस मामले में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का कहना है कि वर्ष 2012 के चुनाव में कुछ कार्यकर्ताओं ने जमीन के मालिक से अनुमति लेकर कार्यालय खोला था। यह दो दिन बाद ही बंद हो गया था। इसके अलावा उनका कोई लेना देना नहीं है। कुछ विरोधी बदनाम करने के लिए अफवाह उड़ा रहे हैं।

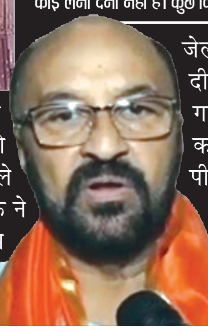

मालदीव के राष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी

» भारत विरोधी बयान के बाद मालदीव की राजनीति में आया भूचाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

माले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के नागरिक पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से अब मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की मुश्किलें बढ़ सकती है। विपक्षी इसका फायदा उठाते हुए अब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को सत्ता से हटाने में जुट गई है। मालदीव में संसदीय अल्पसंख्यक नेता अली अजीम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का आह्वान किया है। उन्होंने राष्ट्रपति मुइज्जू को सत्ता से बेदखल करने में मदद करने की अपील की है।

अली अजीम ने कहा कि हम देश की विदेश नीति की स्थिरता को बनाए रखने और किसी भी पड़ोसी देश को अलग-थलग होने से रोकने के लिए समर्पित हैं। उन्होंने अपनी डेमोक्रेट पार्टी से पूछा कि क्या आप राष्ट्रपति मुइज्जू को सत्ता से हटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को तैयार हैं? ज्ञात हो कि मालदीव की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्री मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महज़ूम माजिद को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, सोमवार को, भारत में मालदीव के दूत को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई।

प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम आज बारिश होने के आसार

» बुधवार से तापमान में आएगी गिरावट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोमवार को निकली अच्छी धूप के बाद मंगलवार को एक बार फिर से मौसम ने करवट ली है। लखनऊ और उसके आसपास मंगलवार की सुबह कोहरा छाया रहा। हल्की धुंध और बादल के साथ दिन की शुरुआत हुई। मौसम विभाग के अनुसार बूंदाबांदी के साथ मंगलवार को मौसम फिर करवट ले सकता है। लखनऊ समेत प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बरसात के आसार हैं।

बुधवार से फिर तापमान में गिरावट शुरू हो सकती है। बहरहाल सोमवार को अधिकतम तापमान 20.8 और न्यूनतम 10.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम का यह बदलाव इस सप्ताह बना रह सकता है। पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में मंगलवार की सुबह कोहरा भी देखने को मिला। कोहरे के असर से लखनऊ, प्रयागराज और कानपुर से गुजरने वाले ट्रेनों विलंब से चल रही हैं।

क्लोरीन गैस के रिसाव से मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लोगों को सांस लेने में दिक्कत, इलाका कराया गया खाली

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गैस रिसाव के बाद बीमार होने पर दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खबर के अनुसार प्रेम नगर थाना के अंतर्गत झांजरा इलाके में क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। ये रिसाव यहां खाली पड़े हुए प्लॉट के अंदर से हुआ, जिसके से आसपास के लोगों सांस लेने में दिक्कत आ रही है।

जिसके बाद आसपास के इलाके को खाली करवा दिया गया है, पुलिस, दमकल विभाग और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है। ये घटना आज सुबह तड़के की बताई जा रही है, जब झांजरा इलाके में खाली पड़े हुए प्लॉट में क्लोरीन लीकेज हो गई। ये गैस प्लॉट में रखे सिलेंडरों से हुई है, जिसके बाद लोगों ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की। घटना की खबर मिलते ही पुलिस, दमकल और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है। पूरे इलाके को खाली कराया गया है। जानकारी के मुताबिक लीक हो रहे सिलेंडरों को जमीन में दबाने की कोशिश की जा रही है। इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि, देहरादून के प्रेम नगर थाना क्षेत्र के झांजरा इलाके में खाली प्लॉट में रखे क्लोरीन सिलेंडर में लीकेज के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी, इसकी सूचना मिलने पर पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और फायर टीम मौके पर पहुंच गई।

मुझे और बच्चों के साथ हर महिला को मिली जीत : बानो

» बोलीं- मैं फिर से सांस ले सकती हूं

» एकजुटता के लिए सभी महिलाओं का धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज मेरे लिए सच में नया साल है। मैं डेढ़ साल बाद मुस्कुराया है। मैंने अपने बच्चों को गले से लगाया है। ऐसा लग रहा है कि मेरे सीने से पहाड़ जैसा एक पत्थर हट गया हो। मैं फिर से सांस ले सकती हूं। यह कहना है बिलकिस बानो का। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को आजीवन कारावास की सजा काट रहे 11 लोगों की शीघ्र रिहाई के आदेश को रद्द कर दिया। इसी फैसले पर बिलकिस बानो ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि न्याय ऐसा ही होता है।

मुझे और मेरे बच्चों के साथ-साथ हर महिला को जीत मिली है। समर्थन के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद। बता दें, बिलकिस बानो के साथ गुजरात दंगों के दौरान इन्हीं आरोपियों ने दुष्कर्म किया था और उनके परिवार के सात लोगों की हत्या कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चूंकि मुकदमा मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया है, इस वजह से गुजरात के पास सजा कम करने का अधिकार नहीं है। बानो ने अपनी वकील शोभा गुप्ता के माध्यम से कहा कि 15 अगस्त 2022 को जब आरोपियों को शीघ्र रिहाई दी गई तो मेरे सब्र का बांध खत्म हो गया। मेरा साहस खत्म हो गया था। इसके बाद देश की लाखों महिलाएं मेरे साथ खड़ीं हुई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की। 10,000 लोगों ने खुला पत्र लिखा। सभी की एकजुटता के लिए मैं आभारी हूं। लोगों ने न सिर्फ मुझमें बल्कि, भारत की तमाम महिलाओं में शक्ति का संचार किया। सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

कोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता ने जताई खुशी

गुमनामी में जी रहीं है बानो

मामले में गवाह और बानो के चाचा अब्दुल रज्जाक मंसूरी ने कहा कि बानो हिंसा के बाद से कभी भी अपने पैतृक गांव रणधीकपुर नहीं आईं। वह एक साल तक देवगढ़ बारिया ही रहीं। इसके बाद वह देश और राज्य के अलग-अलग इलाकों में रहने लगीं। वह गुमनामी भरी जिंदगी जी रहीं थीं। अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है। यह जानकर बहुत खुशी हुई। दोषियों को अब दो सप्ताह में आत्मसमर्पण करना होगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।